

कुलगुरु ने एमएससी तथा पीएचडी विद्यार्थियों के अनुसंधान परीक्षणों का किया निरीक्षण



शोध कार्यो को प्रभावी बनाने में विद्यार्थियों की भूमिका अहम -दुबे

बीकानेर। कुलगुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने बुधवार को एसकेआरएयू के कृषि स्नातकोत्तर (एम एस सी) तथा पीएचडी के विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान परीक्षणों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। कुलगुरु ने पौध एवं प्रजनन विभाग के बागवानी से जुड़े विभिन्न परीक्षणों का अवलोकन कर विद्यार्थियों से संवाद किया। डॉ दुबे ने कहा कि कृषि विद्यार्थी शोध के माध्यम से किसानों के हित में प्रत्यक्ष रूप से योगदान दे सकते हैं। शोध कार्यो को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न सुझाव देते हुए डा दुबे ने कहा कि कृषि विद्यार्थी प्रोएक्टिव होकर नियमित रूप से फील्ड पर जाएं तथा तथा शोध कार्यो की बारीकी से समीक्षा करें। उन्होंने कहा की पौध व्याधि निदान के क्षेत्र में इन अनुसंधान कार्यो से किसानों को सीधे मदद मिल सकेगी। इस अवसर पर कुलगुरु ने कृषि प्रसार एवं कृषि अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों परीक्षणों का भी निरीक्षण किया । उन्होंने पौध एवं प्रजनन विभाग के बाजरे, मूंगफली, तुरई, लौकी सहित विभिन्न बागवानी फसलों पर किए जा रहे अनुसंधान कार्य को देखा । विद्यार्थियों ने अपने-अपने शोध से जुड़े प्रयोगों की जानकारी दी। इस दौरान वित्त नियंत्रक हनुमान प्रसाद शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ विजय प्रकाश, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर डॉ राजेश वर्मा, डॉ विक्रम योगी सहित संबंधित विद्यार्थी व उनके मार्गदर्शक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के अनुसंधान परीक्षणों का किया निरीक्षणशोध कार्यों को प्रभावी बनाने में विद्यार्थियों की भूमिका अहम :दुबे

बीकानेर, 23 सितंबर (प्रेम) : कुलगुरु डॉ राजेंद्र बाबू दुबे ने बुधवार को एसकेआरएयू के कृषि स्नातकोत्तर (एम एस सी) तथा पीएचडी के विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान परीक्षणों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। कुलगुरु ने पौध एवं प्रजनन विभाग के बागवानी से जुड़े विभिन्न परीक्षणों का अवलोकन कर विद्यार्थियों से संवाद किया। डॉ दुबे ने कहा कि कृषि विद्यार्थी शोध के माध्यम से किसानों के हित में प्रत्यक्ष रूप से योगदान दे सकते हैं।

शोध कार्यों को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न सुझाव देते हुए डा दुबे ने कहा कि कृषि विद्यार्थी प्रोएक्टिव होकर नियमित रूप से फील्ड पर जाएं तथा तथा शोध कार्यों की बारीकी से समीक्षा करें।

उन्होंने कहा की पौध व्याधि निदान के क्षेत्र में इन अनुसंधान कार्यों से किसानों को सीधे मदद मिल सकेगी।

इस अवसर पर कुलगुरु ने कृषि प्रसार एवं कृषि अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों परीक्षणों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पौध एवं प्रजनन विभाग के बाजरे, मूंगफली, तुरई, लौकी सहित विभिन्न बागवानी फसलों पर किए जा रहे अनुसंधान कार्य को देखा। विद्यार्थियों ने अपने-अपने शोध से जुड़े प्रयोगों की जानकारी दी।

इस दौरान वित्त नियंत्रक हनुमान प्रसाद शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ विजय प्रकाश, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर डॉ राजेश वर्मा, डॉ विक्रम योगी सहित संबंधित विद्यार्थी व उनके मार्गदर्शक उपस्थित रहे।



कुलगुरु ने एमएससी व पीएचडी विद्यार्थियों के अनुसंधान परीक्षणों का किया निरीक्षण

बीकानेर। एसकेआरएयू के कुलगुरु डॉ. राजेंद्र बाबू दुबे ने बुधवार को कृषि स्नातकोत्तर (एमएससी) तथा पीएचडी के विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे विभिन्न अनुसंधान परीक्षणों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कुलगुरु ने पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी विभाग तथा बागवानी से जुड़े विभिन्न परीक्षणों का अवलोकन किया और शोधार्थियों से सीधा संवाद किया। डॉ. दुबे ने कहा कि कृषि विद्यार्थी अपने शोध के माध्यम से किसानों के हित में प्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। शोध कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव देते हुए कुलगुरु ने

कहा कि कृषि विद्यार्थियों को प्रोएक्टिव होकर नियमित रूप से फील्ड पर जाना चाहिए और अपने शोध कार्यों की बारीकी से समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि पौध व्याधि निदान और फसल सुधार के क्षेत्र में हो रहे इन अनुसंधानों से किसानों को धरातल पर सीधी मदद मिल सकेगी। उन्होंने बाजरा, मूंगफली, तुरई और लौकी सहित विभिन्न बागवानी फसलों पर किए जा रहे शोध कार्यों को देखा। इस दौरान विवि के वित्त नियंत्रक हनुमान प्रसाद शर्मा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विजय प्रकाश, स्नातकोत्तर अध्ययन अधिष्ठाता डॉ. राजेश वर्मा, डॉ. विक्रम योगी सहित संबंधित शोधार्थी मौजूद थे।